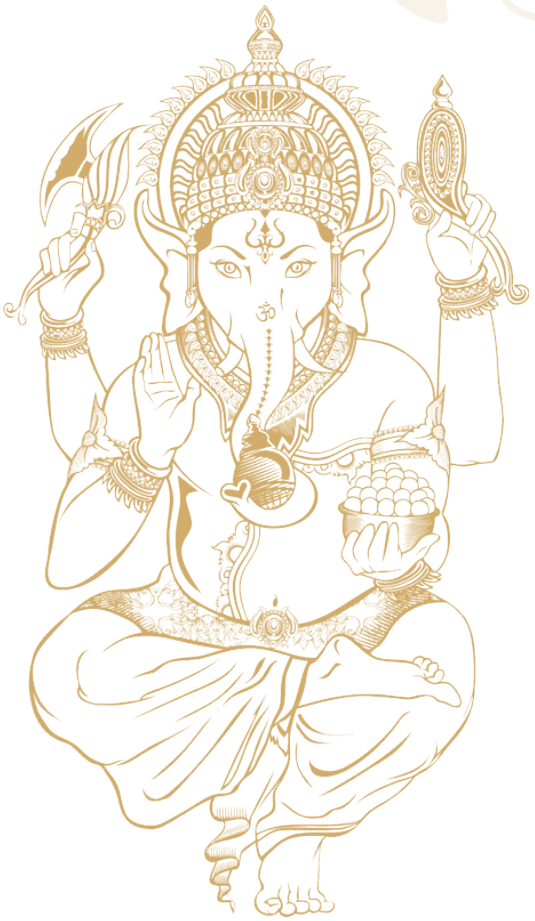

Anil Bhaiya

19 Mar 1974

09:45 PM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120930903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/03/1974**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:45:00 घंटे**
इष्ट	39:14:06 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:47:40 घंटे
वेलान्तर	-00:07:57 घंटे
साम्पातिक काल	09:34:57 घंटे
सूर्योदय	06:03:21 घंटे
सूर्यास्त	18:07:36 घंटे
दिनमान	12:04:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:10:44 मीन
लग्न के अंश	24:04:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:04:13	312:14:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मीन	05:10:44	00:59:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	17:12:18	11:56:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	17:55:47	00:34:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	07:50:07	00:47:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	09:05:30	00:13:40	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			मक	19:49:17	00:50:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मिथु	04:38:48	00:02:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	00:15:11	00:07:23	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	00:15:11	00:07:23	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		तुला	03:21:49	00:02:09	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	16:06:01	00:00:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो	व		कन्या	12:09:39	00:01:39	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			कर्क	27:51:36	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:06

लग्न-चलित

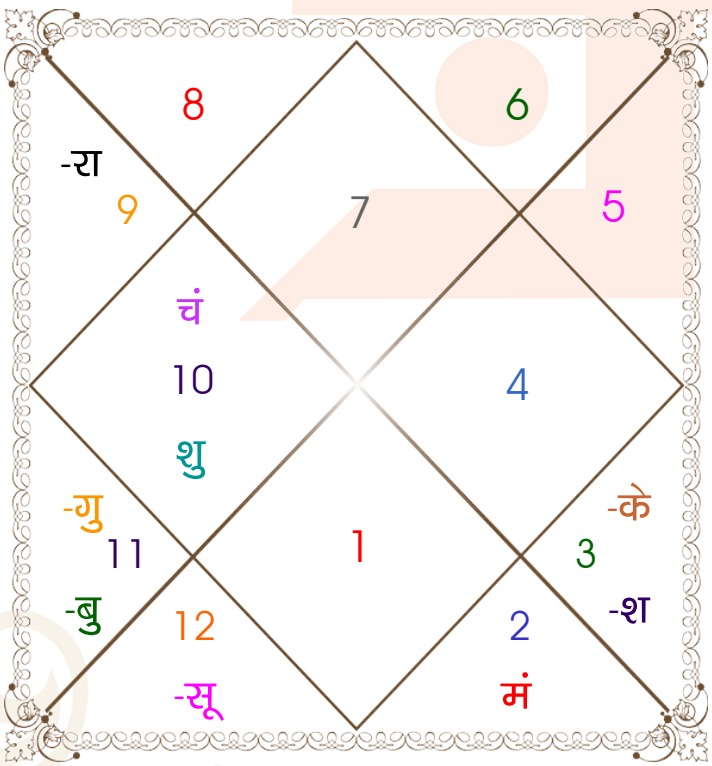

चन्द्र कुंडली

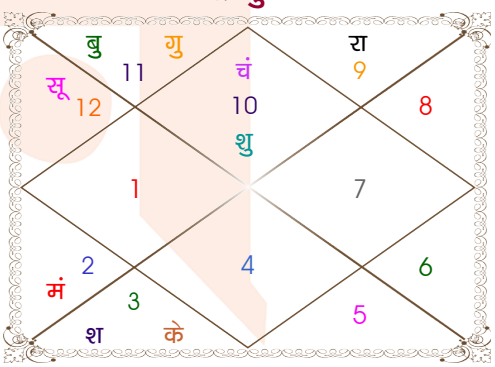

नवमांश कुंडली

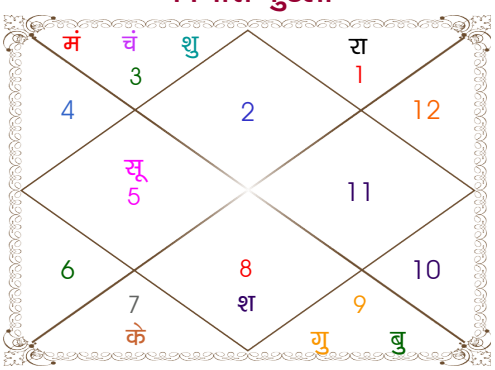

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 7 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/03/1974		23/10/1978		23/10/1985		23/10/2003		23/10/2019	
23/10/1978		23/10/1985		23/10/2003		23/10/2019		23/10/2038	
	00/00/0000	मंगल	21/03/1979	राहु	05/07/1988	गुरु	11/12/2005	शनि	26/10/2022
	00/00/0000	राहु	08/04/1980	गुरु	29/11/1990	शनि	23/06/2008	बुध	05/07/2025
	00/00/0000	गुरु	15/03/1981	शनि	05/10/1993	बुध	29/09/2010	केतु	14/08/2026
	19/03/1974	शनि	24/04/1982	बुध	23/04/1996	केतु	05/09/2011	शुक्र	14/10/2029
शनि	23/08/1974	बुध	21/04/1983	केतु	12/05/1997	शुक्र	06/05/2014	सूर्य	26/09/2030
बुध	23/01/1976	केतु	17/09/1983	शुक्र	11/05/2000	सूर्य	22/02/2015	चंद्र	26/04/2032
केतु	23/08/1976	शुक्र	16/11/1984	सूर्य	05/04/2001	चंद्र	23/06/2016	मंगल	05/06/2033
शुक्र	24/04/1978	सूर्य	24/03/1985	चंद्र	05/10/2002	मंगल	30/05/2017	राहु	11/04/2036
सूर्य	23/10/1978	चंद्र	23/10/1985	मंगल	23/10/2003	राहु	23/10/2019	गुरु	23/10/2038

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/10/2038		23/10/2055		23/10/2062		23/10/2082		23/10/2088	
23/10/2055		23/10/2062		23/10/2082		23/10/2088		00/00/0000	
बुध	21/03/2041	केतु	21/03/2056	शुक्र	22/02/2066	सूर्य	10/02/2083	चंद्र	23/08/2089
केतु	18/03/2042	शुक्र	21/05/2057	सूर्य	22/02/2067	चंद्र	11/08/2083	मंगल	24/03/2090
शुक्र	16/01/2045	सूर्य	26/09/2057	चंद्र	23/10/2068	मंगल	17/12/2083	राहु	23/09/2091
सूर्य	22/11/2045	चंद्र	27/04/2058	मंगल	23/12/2069	राहु	10/11/2084	गुरु	22/01/2093
चंद्र	24/04/2047	मंगल	23/09/2058	राहु	23/12/2072	गुरु	29/08/2085	शनि	19/03/2094
मंगल	20/04/2048	राहु	11/10/2059	गुरु	24/08/2075	शनि	11/08/2086		00/00/0000
राहु	07/11/2050	गुरु	16/09/2060	शनि	23/10/2078	बुध	18/06/2087		00/00/0000
गुरु	12/02/2053	शनि	26/10/2061	बुध	23/08/2081	केतु	23/10/2087		00/00/0000
शनि	23/10/2055	बुध	23/10/2062	केतु	23/10/2082	शुक्र	23/10/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।